B.A Part-2 (Psy. Subsidiary) Topic- Clinical Types of Mental Retardation. Dr. Prabha Shree (Guest Faculty, Deptt of Psychology, Vaishali Mahila College, Hajipur)

Clinical Types Mental Retardation

नैदानिक कसौटी के आधार पर मानसिक दुर्बलता के कई प्रकार बतलाए गए हैं इन्हें नैदानिक प्रकार कहा जाता है। ऐसे नैदानिक प्रकारों में निम्नांकित प्रमुख है-

1. **डाउन्स संलक्षण या मंगोलिज्म (Down's Syndrome or Mongolism)-** इस प्रकार के मानसिक दुर्बलता का वर्णन सबसे पहले पहल Langdan Down (1886) ने किया था इस श्रेणी

के व्यक्तियों की बुद्धि लब्धि 25 से 50 के बीच होती है तथा इसकी मानसिक आयु 6 से 7 वर्ष तक की होती है। ऐसे व्यक्तियों के चेहरे की बनावट मंगोलियन जाति के लोगों से मिलती जुलती है। इसलिए इसे *मंगोलिज्म* भी कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति का चेहरा गोल, आंखें धंसी हुई, नाक छोटी और चपटी, हाथ छोटे परंतु मोटे एवं जीभ पर एक गहरा दरार होता है। अध्ययनों में ऐसा पाया गया है कि ऐसे व्यक्तियों के क्रोमोजोम्स के 21वां युग्म में एक

अतिरिक्त क्रोमोजोम्स होता है फलस्वरूप ऐसे लोगों में chromosome की संख्या 46 ना होकर 47 होती है।

2. **फेनिलकेटोन्यूरिया(Phenylketonuria or PKU)- यह** एक ऐसी मानसिक दुर्बलता है जिसका संबंध प्रोटीन चयापचय में गड़बड़ी से होता है। इसमें जन्म के समय बच्चा सामान्य दिखता है 6 से 12 महीने के भीतर मानसिक दुर्बलता के लक्षण दिखाई पड़ते हैं। प्रारंभ में ऐसे बच्चों में लक्षण की शुरुआत कुछ विशेष

शारीरिक लक्षण जैसे शरीर के पसीने का विचित्र गंध, कंपन, एग्जिमा आदि से होती है। ऐसे बच्चों में गंभीर से लेकर अति गंभीर तक की मानसिक दुर्बलता पाई जाती है। प्रोटीन चयापचय की गड़बड़ी से फेनिलालाइन अधिक मात्रा में शरीर में जमा हो जाते हैं जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को जर्जर बना देता है और बच्चों में मानसिक दुर्बलता उत्पन्न कर देता है।

3. **बौनापन** (Cretinism)- इनकी बुद्धि लब्धि 25 से 75 तक होती है। ऐसे

व्यक्ति का कद बौना समान होता है। यह देखने में कुबरे जैसे लगते हैं। इनका सिर बड़ा, गर्दन मोटी पर छोटी एवं आंखों की पलकें भी मोटी होती हैं। इस तरह के मानसिक दुर्बलता थायराइड हारमोंस की अत्यधिक कमी या अनुपस्थिति से उत्पन्न होती है।

4. **लघु शीर्षता तथा वृहद शीर्षता**- ऐसे बालकों का बुद्धि लब्धि 25 के लगभग होता है। इनमें मानसिक दुर्बलता गंभीर होती है। मानसिक दुर्बलता के दोनों प्रकार (Microcephaly and Macrocephaly)

संबंध कपालिया विसंगति से है। लघु शीर्षता में व्यक्ति का सिर सामान्य से काफी छोटा होता है। ऐसे व्यक्तियों के सिर की परिधि 17 इंच से शायद ही कभी अधिक होता है जबकि सामान्य परिधि लगभग 22 इंच का होता है। बृहद शीर्षता में व्यक्ति का सिर जरूरत से ज्यादा बड़ा हो जाता है। ऐसे बच्चों में दृष्टि क्षीणता, कंपन तथा अन्य स्नायविक लक्षण भी देखने को मिलते हैं।

5. **जलशीर्षता-** इस प्रकार के मानसिक दुर्बलता से ग्रस्त शिशु के मस्तिष्क

में एक प्रकार का जलद्रव जिसे सेरेब्रो-स्पाइनल द्रव्य कहा जाता है अत्यधिक मात्रा में जमा हो जाता है जिससे मस्तिष्क का आकार बड़ा हो जाता है। मस्तिष्क में फैलाव के कारण मस्तिष्क कोशिकाएं काफी पतली हो जाती हैं और शिशु या व्यक्तियों में मानसिक दुर्बलता उत्पन्न हो जाता है।

6. **टर्नर संरक्षण**- इस तरह के मानसिक दुर्बलता सिर्फ बालिकाओं में पाई जाती है। इस तरह के मानसिक दुर्बलता का कारण यौन क्रोमोजोम्स में गड़बड़ी

होती है क्योंकि ऐसी बालिकाओं में सिर्फ एक ही X क्रोमोजोम पाया जाता है। इनकी बुद्धि लब्धि 30 से 40 के लगभग होती है।

7. **क्लाइनफेल्टर संरक्षण**- इस तरह के मानसिक दुर्बलता सिर्फ पुरुषों या बालकों में होती है। इनकी बुद्धि लब्धि प्रायः 30 से 40 के बीच होती है। इस तरह के मानसिक दुर्बलता का कारण भी यौन क्रोमोजोम्स की विसंगताएं हैं। ऐसे बालकों में सामान्य योन क्रोमोजोम्स XY ना होकर XXY

होता है अर्थात एक X अतिरिक्त होता है।